महावाणी - विश्वकल्याण की वाणी

१५/०९/२०२६

मूलस्वरूप स्थिति का अभ्यास

सभी आत्माएं अपने मूलस्वरूप में बैठें... देखिए अपना मूल स्वरूप... अपने मूलस्वरूप को अनुभव करें... अपने मूलस्वरूप को स्पष्टता से देखने की कोशिश करें - चमकता हुआ सितारा... 'यह मैं हूँ'... अनुभव करें अपने मूल स्वरूप को... स्पष्टता से देखने की कोशिश करें... यही मूल स्वरूप आपके सभी सूक्ष्म और स्थूल कर्मेंद्रियों को चलाता है...